

51, 32. Bhāg. P. 1, 19, 20. किमत्र चित्रं यदि ... Çāk. 35, 21. नैतच्चित्रं पद-
यम् ... 48. KATHIS. 18, 359. fg. नैतच्चित्रं — त्रयि — पत् HARIV. 9062.
चित्रं बधिरो नाम व्याकरणमध्येष्यते es wäre ein Wunder, wenn P. 3, 3,
154, Sch. चित्रं द्रव्यति नामान्धः कृञ् पश्येद्यदीश्वरम् Vop. 25, 15; vgl. 14
und P. 3, 3, 150. fg. पादवा इति चित्रं नः शक्ताः स्थातुं रूपे es wäre ein Wun-
der, wenn die J. vermöchten HARIV. 15652. तिस्रो ऽपि नापतच्चित्रम् o
Wunder! KATHIS. 5, 86. चित्रं कथं त्रया ज्ञाता सा संज्ञा 7, 73. RĀGA-TAR. 1,
85 (mitte in den Satz eingeschoben). 4, 586. — c) *Luftstraum, Himmel* H.
an. — d) *Fleck*: यथैव सदृशो रूपे मातापित्रोर्हि ज्ञायते। व्याप्रश्चित्रैः MBh.
13, 2605. — e) *Sectenzeichen auf der Stirn* TRIK. H. 653. H. an. MED.
ललितवनिताः — सचित्राः MEGH. 63. — f) *weisser Aussatz* H. 466, fal-
sche Lesart für *स्त्रि*; vgl. übrigens *चर्मचित्रक*. — g) *Bild, Gemälde*;
Malerei AK. 3, 4, 25, 180. H. 922. H. an. MED. पटे चित्रमिवापितम् MBh.
13, 7692. चित्रे ऽपि चालिष्यन्त्यान् Siv. 2, 13. चित्रे निवेश्य Çāk. 42, 141.
89, 2. चित्रैरिवापितम् (vgl. चित्रार्पित) gemalt MBh. 13, 2660. चित्रं प-
द्याश्रयम्ते SĀMĀJAK. 41. ये च चित्रं भजन्ति वै und die sich mit der Ma-
lerei abgeben R. GORR. 2, 90, 23. सचित्रं bemalt HARIV. 4332. — h) *Bunt-
heit* AK. 1, 1, 4, 26. TRIK. H. 1398. H. an. MED. — i) Bez. verschiede-
ner Arten, künstliche Verse u. s. w. in Form von allerlei Figuren durch
Nichtwiederholung wiederkehrender Silben oder Wörter in abgekürzter
Weise künstlich für das Auge darzustellen: पद्माद्याकारकेतुवे वर्णानां
चित्रमुच्यते SĀH. D. 643; vgl. HARB. Anth. 291. fgg., wo verschiedene
solcher Figuren mitgeteilt werden. — k) *ein Wortspiel in Form von
Frage und Antwort*: प्रश्नोत्तरात्तराभिन्नमुत्तरं चित्रमुच्यते KUALAJ. 143,
b, mit dem Beispiele: के दारपोषणरताः दार = तेत्र, als Antwort gilt
केदारः के खेटाः (खेटाः) किं चलं वयः (Vögel und Alter). — Vgl. अचि-
त्र, दानु°, वि°, सु°, चैत्र.

चित्रक (von चित्र) 1) m. a) *Maler* H. an. 3, 40. — b) *Tiger* TRIK. 3, 3,
21. H. 1283. *Panther* MED. k. 87. Uṇ. 3, 79, Sch. PAKĀT. 72, 11. 231, 23.
232, 11. — c) *eine Schlangenart* SUÇR. 2, 265, 14; vgl. e, γ. — d) Name
zweier Pflanzen H. an. α) *Plumbago zeylanica* Lin. (n. die Frucht) AK. 2,
4, 2, 60. H. an. 2, 481. MED. SUÇR. 1, 137, 10. 15. 138, 21. 139, 3. 142, 4.
14. 2, 25, 12. 69, 12. — β) *Ricinus communis* AK. 2, 4, 2, 31. TRIK. H. an.
3, 40. MED. — e) N. pr. α) eines Sohnes Vṛṣṇi's (Pṛṇi's) HARIV.
1908. 2081. 3083. 6623. 6649. VP. 435. — β) eines Sohnes des Dhṛta-
rāshṭra (auch ein Nāga) MBh. 1, 2740. — γ) eines Nāga H. 1311, Sch.
— δ) eines Volkes MBh. 2, 1804. — 2) n. a) *Sectenzeichen auf der Stirn*
AK. 2, 6, 2, 24. TRIK. (wo wohl तिलके st. चित्रके zu lesen ist). H. 653,
Sch. MED. HARIV. 7074. — b) Bez. einer besonderen Fechtart HARIV.
13979. — c) N. pr. eines Waldes am Gebirge Raivataka (vgl. चित्र-
वन) HARIV. 8952.

चित्रकाण्ड (चित्र + काण्ड) m. *Taube* ĠATĀDH. im ÇKDr.

चित्रकम्बल (चित्र + कम्) m. *ein bunter Teppich* UṆDIK. im ÇKDr.

चित्रकार (चित्र + 1. कार) m. *Maler* P. 3, 2, 21. AK. 2, 10, 7. TRIK. 2, 10,
2. H. 921, Sch. KATHIS. 5, 30. VARĀH. BRH. S. 9, 30. 86, 96. स तु शूद्रागर्भे
विश्वकर्मासजातः। इति ब्रह्मवैवर्तपुराणम् ÇKDr. — Vgl. चित्रकार, चि-
त्रकृत्.

चित्रकर्मन् (चित्र + कर्) 1) n. a) *eine ungewöhnliche That, Wunder-*

II. Theil.

that WILS. — b) *das Verzieren, Schmücken*; im Prākṛit Çāk. Ch. 118,
16. — c) *Malerei, Gemälde*: धीर्न चित्रायते कस्मादभितौ चित्रकर्मणा
KATHIS. 6, 50. KULL. zu M. 3, 64. VARĀH. BRH. S. 38, 14. — 2) adj. subst.
m. a) *Wunder verübend, Wunderthäter*. — b) *malend, Maler* ÇKDr.
WILS. — 3) m. N. eines Baumes, *Dalbergia ougeinensis* Roxb. (vgl.
चित्रकृत्) ÇABDAK. im ÇKDr.

चित्रकाय (चित्र + काय) m. *Tiger* H. 1283. *Panther* RĀGAn. im ÇKDr.

चित्रकार (चित्र + 1. कार) m. *Maler* MBh. 5, 5025. R. GORR. 2, 90, 18.
SĀH. D. 61, 2. स्थपतेरपि गान्धिकां चित्रकारो व्यापयत PARĀÇARAPADDH.
im ÇKDr. — Vgl. चित्रकर्.

चित्रकुण्डल (चित्र + कुण्ड) m. N. pr. eines Sohnes des Dhṛtarāsh-
tra MBh. 1, 4545. 4552.

चित्रकूट (चित्र + कूट) m. N. pr. eines Berges in Bandelakhanda,
heut zu Tage Kāmāṭā genannt, MBh. 3, 8200. R. 1, 1, 30. 32. 3, 14. 2,
34, 28. 29. 3, 77, 13. RAGH. 12, 15. 13, 47. VARĀH. BRH. S. 16, 17. Bhāg. P.
5, 19, 16. 20, 15.

चित्रकृत् (चित्र + कृत्) 1) adj. *Staunen erregend*: जन° ÇATR. 14, 201.
चित्रकृत् (वाचः) H. 70. — 2) m. a) *Maler* H. 921. KATHIS. 5, 28. VARĀH.
BRH. S. 86, 121. — b) *Dalbergia ougeinensis* Roxb. (vgl. चित्रकर्मन्) AK.
2, 4, 2, 7.

चित्रकेतु (चित्र + केतु) m. N. pr. eines Sohnes des Garuḍa MBh.
5, 3597. des Vasishṭha Bhāg. P. 4, 1, 40. 41. des Lakshmaṇa 9, 11,
12. des Devabhāga 24, 39. eines Königs der Çūrasena, dessen Ge-
schichte erzählt wird 6, 14, 10. fgg.

चित्रकोल (चित्र + कोल) m. *eine Art Eidechse (mit gesprenkelter
Brust)* TRIK. 2, 5, 12.

चित्रक्रिया (चित्र + क्रिया) f. *Malerei*: (शराः) चित्रक्रियोपेताः MBh. 4,
1360.

चित्रतत्र (चित्र + तत्र) adj. *dessen Herrschaft licht ist*, von Agni
RV. 6, 6, 7.

चित्रग (चित्र + ग) adj. f. *im Bilde dargestellt, gemalt* KATHIS.
5, 31. — Vgl. चित्रगत, चित्रार्पित, चित्रस्थ.

चित्रगत (चित्र + गत) adj. 1) *bemalt*: पटे चित्रगते इव MBh. 6, 1662.
— 2) *im Bilde dargestellt, gemalt* Çāk. 149. MĀLAV. 23. HIT. II, 103.
64, 1. 3.

चित्रगन्ध (चित्र + गन्ध) n. *Auripigment* RĀGAn. im ÇKDr.

चित्रगुप्त (चित्र + गुप्त) m. 1) N. pr. eines der Verzeichner der Thaten
der Menschen in Jama's Reiche TRIK. 1, 1, 72. H. 186. H. an. 4, 108.
MED. t. 198. MBh. 13, 5924. 6114. fgg. VP. 207, N. 3. COLEBR. Misc. Ess.
I, 375. — Daher 2) Bez. einer Mischlingskaste: *Secretär, Schreiber bei
vornehmen Personen* COLEBR. Misc. Ess. II, 182. WILS., a Gloss. of jud.
and rev. terms u. d. W. — 3) *eine Form* Jama's H. an. MED. TIRHĀ-
DIT. im ÇKDr. u. चित्र. — 4) N. pr. des 16ten Arhant's der zukünftigen
Utsarpiṇī H. 55.

चित्रगृह (चित्र + गृह) m. *ein bemaltes oder mit Bildern ausge-
schmücktes Gemach* R. 5, 14, 65. 37, 42. — Vgl. चित्रशाला.

चित्रगीव (चित्र + गीवा) m. N. pr. eines Taubenkönigs (*Bunthals*)
PAKĀT. 105, 6. HIT. 9, 15. 10, 7. I, 79.